भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.3626

उत्तर देने की तारीख 20.12.2021

सांप्रदायिक सद्भाव संबंधी शिक्षा

3626. श्री हाजी फजलुर रहमान:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रों को सांप्रदायिक सद्भाव की शिक्षा देने पर विचार कर रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ग): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ**), 2005** में स्वयं के साथ-साथ दूसरों के साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से जीवन-यापन करने हेतु मूल्यों, दृष्टिकोण और दक्षताओं को प्रतिपादित करने सहित नैतिक विकास पर जोर दिया जाता है। एनसीईआरटी ने सूचित किया है कि उनके सभी स्तर की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों में पहले से ही उन विषयों को शामिल किया गया है जो सांप्रदायिक सद्भाव पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एनसीईआरटी द्वारा विकसित पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को सभी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों पढ़ाया जाता है। जहां तक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों का संबंध है, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 'उच्च शिक्षा वैश्विक नागरिकता शैक्षिक ढांचा' विकसित किया है जिसका उद्देश्य व्यक्ति को दूसरों के साथ सद्भाव में रहने के लिए मतभेदों और विभिन्न प्रकार के व्यक्तित्वों को स्वीकार करने, उनका सम्मान, सराहना करने और सहानुभूति और करुणा का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है।

****